आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 03 लखनऊ, मंगलवार 21 अप्रैल से 27 अप्रैल, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

अंतिम संस्कार में शामिल न होने के साथ–साथ योगी ने दिया बड़ा संदेश

अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखनऊ। वक्त करीब सुबह के १०.३० बजे का थालोकभवन की जगह आज टीम ११ की मीटिंग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के सरकारी आवास (५ केडी) पर होनी थी। लेकिन मन में ये सवाल बार बार उठ रहा था कि क्या मुख्यमंत्री मीटिंग करेंगे।क्योंकि बीती रात से ही अफवाहों का सिलसिला सोशल मीडिया पर आंधी की तरह उड़ रहा था। जिसमें प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी के पिता आनंद सिंह बिष्ट के स्वास्थ्य खराब होने की सूचनाएं तैर रही थीं। खैर रोज की तरह समयानुसार मीटिंग के लिए मुख्यमंत्री हॉल में आए, लेकिन आज साफ झलक रहा था कि वो अपने पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। अमूमन मुख्यमंत्री मीटिंग के दौरान चेहरे पर लगे मास्क को नीचे रखते हैं लेकिन आज ऐसा नहीं हुआ। इससे चेहरे का भाव भले कुछ हद तक छिप जा रहा था,पर आंखों की उदासी,उनकी नमीं बता रही थीं कि सब कुछ ठीक नही। बावजूद इसके राजधर्म का पालन पहली प्राथमिकता पर रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समयानुसार मीटिंग शुरू की। टीम ११ के अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री विचार–विमर्श और

कोरोना को लेकर प्रदेश की हालात पर चर्चा करते और अधिकारियों को निर्देश भी देते रहे। इसी बीच करीब १० बजकर ४४ मिनट के आसपास मीटिंग में उस व्यक्ति का आना हुआ, जिसे कम ही किसी मीटिंग में आते देखा गया है। बात मुख्यमंत्री के सबसे करीबी शख्स यानी बल्लू राय की हो रही है। बल्लू के चेहरे पर दुख का भाव झलक रहा था। बल्लू ने एक पर्ची मुख्यमंत्री को दी। इसे पढ़कर मुख्यमंत्री जी ने किसी से बात कराने का निर्देश बल्लू को दिया। बल्लू ने फोन लगाया और मुख्यमंत्री जी बात करने लगे। बात महज एक मिनट की रही होगी और मुख्यमंत्री ने फोन पर कहा कि वह मीटिंग के बाद फिर बात करेंगे। बल्लू चले गये मुख्यमंत्री कुछ सेकंड के लिए शांत हो गए। लेकिन फिर उन्होंने मीटिंग में अधिकारियों से सवाल–जवाब करना शुरू कर दिया। मीटिंग ठीक वैसे ही चलती रही जैसे रोजाना चलती है। इस बीच सभी ने देखा कि मुख्यमंत्री योगी की आंखें नम हो चुकी हैं। शायद उधर से उन्हें पिता के निधन का समाचार मिला था, लेकिन मुख्यमंत्री होने के नाते उन्होंने प्रदेश की जनता की सेवा सर्वोपरि रखी और कोविड से लड़ने की रणनीति बनाने की मीटिंग करते रहे। सभी को पता है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री होने से पहले वो एक संन्यासी हैं, गोरक्षपीठाधीश्वर हैं। लेकिन पिता के निधन का समाचार मिलने के बाद भी मुख्यमंत्री की कार्यशैली ठीक वैसे ही चलती रही। एक तरफ जहां आंखों में नमी उनके दुख की सबूत था तो दूसरी तरफ २३ करोड़ जनता की सुरक्षा की चिंता का फर्ज। अपने पिता के निधन के बावजूद उन्होंने राजधर्म को प्राथमिकता दी। उसे निभाया। योगी आदित्यनाथ पहले भी सबसे ऊपर राजधर्म और यूपी की २३ करोड़ जनता का हित देखने को सर्वोपरि मानते रहे हैं। पिता की मृत्यु भी उन्हें अपने इस पथ से विचलित नहीं कर सकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पिता के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि अपने पूज्य पिताजी के कैलाशवासी होने पर मुझे भारी दुख एवं शोक है। वे मेरे पूर्वाश्रम के जन्मदाता है। जीवन में ईमानदारी, कठोर परिश्रम एवं निस्वार्थ भाव से लोक मंगल के लिए समर्पित भाव के साथ कार्य करने का संस्कार बचपन में उन्होंने मुझे दिया। अंतिम क्षणों में उनके दर्शन की हार्दिक इच्छा थी, परन्तु वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के खिलाफ देश की लड़ाई को उत्तर प्रदेश की २३ करोड़ जनता के हित में आगे बढ़ाने का कर्तव्यबोध के कारण मैं न कर सका। कल २१ अप्रैल को अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में लॉकडाउन की सफलता और महामारी कोरोना को परास्त करने की रणनीति के कारण भाग नहीं ले पा रहा हूं। पूजनीया मां, पूर्वाश्रम से जुड़े सभी सदस्यों से भी अपील है कि वे लकडाउन का पालन करते हुए कम से कम लोग तिम संस्कार के कार्यक्रम में रहें। पूज्य पिताजी की स्मृतियों को कोटि–कोटि नमन करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा हूं। लॉकडाउन के बाद दर्शनार्थ आऊंगा।

कोरोना वायरस से दुनिया में एक लाख ६६ हजार की मौत

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में कोरोना वायरस के संक्रमण से मरने वालों का आंकड़ा एक लाख ६६ हजार से ज्यादा हो गया है। जबकि दुनिया भर में संक्रमितों की संख्या बढ़ कर २४ लाख ३६ हजार से ज्यादा हो गई है। सोमवार की शाम तक के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया में २४ लाख ३६ हजार ६६ लोग संक्रमित हुए थे और एक लाख ६६ हजार ७५७ लोगों की मौत हुई है। इलाज से छह लाख ३७ हजार ६७७ लोग ठीक भी हुए हैं। अभी ५५ हजार से कुछ ज्यादा लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। अमेरिका में २४ घंटे में १,६६७ लोगों की जान गई है। इसके साथ ही वहां मौत का आंकड़ा करीब ४०,७५० हो गया है। वहां अब तक संक्रमण के सात लाख ६७ हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू क्यूमो ने कहा कि वहां २४ घंटे में ५०७ लोगों की मौत हुई है। एक दिन पहले यहां ७७८ जान गई थी। राज्य में अब तक १८,२६८ लोगों

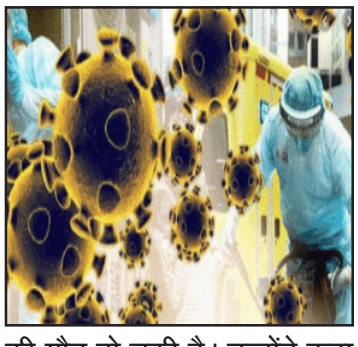

की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या कम हो रही है। उधर ब्रिटेन में ब्लड प्लाज्मा से गंभीर मरीजों के इलाज का परीक्षण होगा। बीबीसी ने बताया है कि ब्रिटेन में कोरोना के मरीजों के इलाज के लिए ठीक हुए मरीजों के ब्लड प्लाज्मा का इस्तेमाल किया जाएगा। नेशनल हेल्थ सर्विस, एनएचएस के ब्लड ट्रांसप्लांट विभाग ने ठीक हुए मरीजों को ब्लड डोनेट करने के लिए कहा है। ऐसी उम्मीद है कि ठीक हुए लोगों में ऐसी एंटीबडी विकसित हो जाती है जो इस महामारी से लड़ने में मदद कर सकती है। ब्रिटेन में एब तक १६ हजार लोगों की जान जा चुकी है, जबकि एक लाख २० हजार से ज्यादा संक्रमित हैं। उधर यूरोप में सबसे ज्यादा प्रभावित स्पेन में रविवार को ४१६ लोगों की मौत हुई, जबकि ४,२५८ केस मिले। वहां मौतों की संख्या में थोड़ी कमी आई है। एक दिन पहले वहां ५६५ लोगों की मौत हुई थी। वहीं, देश में संक्रमण के मामले दो लाख से ज्यादा हो गए हैं। वहां अब तक २०,८५२ लोगो की मौत हो चुकी।

केदारनाथ, बद्रीनाथ के कपाट देर से खुलेंगे

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की वजह से देश भर के मंदिर बंद हैं पर वायरस फैलना शुरू होने से पहले से बंद केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने में भी अब देरी होगी। केदारनाथ मंदिर के कपाट २६ मई को खुलने वाले थे और बद्रीनाथ धाम के कपाट ३० मई को खुलने थे। पर अब कहा जा रहा है कि दोनों मंदिरों के कपाट एक साथ १४ और १५ मई को खुलेंगे। हो सकता है कि यमुनोत्री और गंगोत्री के कपाट भी उसी समय खुलें। उत्तराखंड के संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने सोमवार को कहा कि केदारनाथ के कपाट १४ को और बद्रीनाथ के १५ मई को खुलेंगे। हालांकि केदारनाथ से जुड़े धर्माधिकारियों का कहना है कि वहां के कपाट कब खुलेंगे इस पर फैसला मंगलवार को ऊखीमठ में बैठक में होना है। बहरहाल, अब कहा जा रहा है कि यमुनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुलने की तारीख भी बदल दी जाएगी, हर बार ये दोनों मंदिर अक्षय तृतीया को खुलते हैं, जो २६ अप्रेल को है।

लखनऊ की सड़कों पर नोटों के मिलने से इलाके में मचा हड़कंप

अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के महानगर इलाके में लगातार नोटों का सड़क पर दिखने से दहशत का महौल बना हुआ है। महानगर में सड़क पर मिले सौ सौ के दो नोट मिलने के कारण स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। इससे पहले महानगर इलाके में ५०० का नोट भी मिला था। स्थानीय लोगों का कहना है कि साजिश के तहत नोट फेंके जा रहे है। जिसके चलते कोरोना संक्रमण को फैलाया जा सके। महानगर पुलिस को स्थानीय लोगों ने सूचना दी।

सम्पादकीय

संकट में हैं मजदूर उन्हें पर्याप्त राहत नहीं

तालाबंदी से प्रभावित प्रवासी मजदूर किस संकट से गुजर रहे हैं, इसका असल में ठीक से अंदाजा किसी को नहीं है। इस बीच स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं के एक समूह ने कुछ प्रवासी मजदूरों से जानकारी जमा कर कर उनका अध्ययन किया और अपनी रिपोर्ट जारी की है। ये रिपोर्ट दिखाती है कि स्थिति आखिर कितनी चिंताजनक है। स्ट्रैंडेड वर्कर्स एक्शन नेटवर्क का कहना है कि तालाबंदी शुरू होने के दो दिनों में उनके नेटवर्क के ७३ स्वयंसेवियों को महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में फंसे हुए प्रवासी श्रमिकों के फोन आने लगे। श्रमिकों ने उन्हें बताया कि वे संकट में हैं और उन्हें मदद चाहिए। नेटवर्क के लोग ११ हजार से भी ज्यादा श्रमिकों से संपर्क कर पाए। इनमें से ज्यादातर श्रमिक वे थे, जो या तो अपने अपने गृह–राज्य लौट नहीं पाए या उन्होंने जाने की कोशिश भी नहीं की। नेटवर्क ने पाया कि ये लोग जितने संकट में हैं, उससे उन्हें निकालने के लिए पर्याप्त राहत नहीं मिल पा रही है। सबसे बुरी स्थिति उत्तर प्रदेश में थी, जहां से कम से कम १,६११ श्रमिकों ने बताया कि उन्हें जरा भी सरकारी राशन नहीं मिला है। पका हुआ खाना कई जगह जरूर मिल रहा है, लेकिन उसमें भी हर राज्य में स्थिति अलग है। रिपोर्ट के मुताबिक (रिपोर्ट जारी होने तक) देश में कोविड–१६ की वजह से ३३३ लोगों की जान गई थी, जबकि तालाबंदी के दौरान आत्महत्या, भूख, हाईवे पर हादसे, पुलिस की मार इत्यादि की वजह से कम से कम १६६ लोगों की जान चली गई थी। समूह ने इस संकट में बेहतर प्रबंधन के लिए कुछ उपाय सुझाए हैं। इनके अनुसार सबसे पहले तो पीडीएस के तहत मिलने वाले राशन को तीन महीनों के लिए दोगुना कर देना चाहिए। दालें, तेल, नमक, मसाले, साबुन और सेनेटरी पैड के साथ लोगों के घर तक पहुंचाना चाहिए। यह सभी गरीबों को मिलना चाहिए– यानी उन्हें भी जिनके पास राशन कार्ड नहीं है। इसके अलावा हर एक लाख की आबादी के लिए कम से कम ७० भोजन के केंद्र होने चाहिए जहां १२ घंटों तक खाना बंटता रहे। इसके अलावा हर गरीब को दो महीनों के लिए हर महीने ७,००० रुपये नकद दिए जाने का सुझाव भी दिया गया है। कहा गया है कि सभी जन धन खातों में तालाबंदी के दौरान और उसके उठने के दो महीने बाद तक हर महीने २५ दिनों का न्यूनतम वेतन दिया जाए।

जिलाधिकारी लें लॉकडाउन में छूट का फैसला : योगी

लखनऊ। लाकडाउन में छूट देने संबंधी फैसले की कमान जिलाधिकारियों को सौंपते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सोमवार से हाटस्पाट क्षेत्रों को छोड़ कर किन इलाकों को कहां, कितनी छूट देनी है, यह निर्णय संबधित जिला प्रशासन अपने विवेक का इस्तेमाल कर ले सकता है। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये जिलाधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि सभी जिलाधिकारी अपने–अपने जिलों में कल से लॉक डाउन के दौरान गतिविधियों में छूट सम्बन्धी निर्णय परिस्थितियों को देखते हुए लें और सरकार को उसकी जानकारी दें। उन्होंने कहा कि १६ ऐसे जिले जहां १० या उससे अधिक के कोरोना पॉजिटिव मामले पाये गये हैं, वहां के जिलाधिकारी सजगता और सतर्कता के आधार पर निर्णय लेंगे। यह निर्णय हॉट स्पॉट वाले क्षेत्रों में किसी छूट के लिए लागू नहीं होगा। हॉट स्पॉट वाले क्षेत्रों में मेडिकल, सफाई तथा डोर स्टेप डिलीवरी की जायेगी। सीएम योगी ने कहा कि छूट के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग और लॉक डाउन के मानकों का पूरी तरह पालन करना होगा। जिला स्तर पर कुछ औद्योगिक गतिविधियों में छूट दिए जाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त, डीआईजी, आईजी, एडीजी, एसपी, एसएसपी, जिला उद्योग केन्द्र के अधिकारी, उद्यमी आपस में विचार–विमर्श कर निर्णय लेंगे। भीड़ और अराजकता की स्थिति कतई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि किसानों

को उनकी फसल का हर हाल में न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलना चाहिये। सरकार द्वारा किसानों की उपज को क्रय केन्द्रों के अलावा, उनके खेतों पर भी खरीदने की व्यवस्था की जाये। हॉट स्पॉट के साथ ही अन्य सभी स्थलों को व्यापक स्तर पर सैनेटाइज किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च के आखिर में बाहर से प्रदेश में आए प्रवासी मजदूरों को भी उनके घरों में पहुंचाने की जरूरत है क्योंकि यह सभी क्वारण्टीन की अवधि पूरी कर चुके हैं लेकिन फिर भी उन्हें होम क्वारंटाइन किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर अलग–अलग टीम गठित कर प्रत्येक टीम को अलग जिम्मेदारी दी जाए और उसका प्रभावी अनुश्रवण किया जाए। उन्होंने कहा कि कोटा से लाये गये करीब आठ हजार छात्र–छात्रायें होम क्वारंटाइन का पालन करेंगे। कोई भी नया व्यक्ति यदि बाहर से आता है, तो उसके मूवमेण्ट पर नजर रखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायेंगी। हर गांव कस्बे में यह काम वॉलण्टियर्स की मदद से किया जायेगा। यह वॉलण्टियर्स मंगल दल, एनसीसी, एनएसएस, ग्राम चौकीदार, नेहरू युवा केन्द्र आदि के हो सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि २३ अप्रैल से शुरू हो रहे रमजान महीने में धर्मगुरुओं, मौलवियों और मौलानाओं से संवाद स्थापित करते हुए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये कि कहीं भी भीड़ एकत्रित न होने पाए। सभी धार्मिक कार्य घर से ही सम्पन्न किए जाएं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मुख्य सचिव आरके तिवारी, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश चन्द्र अवस्थी, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव कुमार मित्तल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल एवं श्री संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

यूपी के प्रवासी मजदूरों को सरकार प्लान बनाकर लाए वापस : प्रियंका

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रवासी मजदूरों को प्लान बनाकर वापस लाने का प्रयास करे। प्रियंका गांधी ने रविवार को अपने ट्वीटर पर एक वीडियो अपलोड कर उत्तर प्रदेश सरकार से कहा, " मैं यूपी सरकार को बधाई देना चाहती हूं कि कोटा से आप छात्रों को घर ले आये। लेकिन यह मजदूर भी तो आपके ही हैं। ये भी हमारे हैं। इनके भी परिवार परेशान हैं। हम इन्हें घर नहीं ला पा रहे हैं।" उन्होंने कहा, "दूसरी बात हमको किसी न किसी तरीके से इनकी समस्या हल करनी पड़ेगी। एक प्लान बनाया जाए, ताकि धीरे–धीरे ये अपने जिले में आ सकें। देखिये हम इनको इस तरह नहीं छोड़ सकते। मेरी अपील है हर देशवासी से, यूपी की सरकार से कि हम इनकी मदद करें।" प्रियंका गांधी ने वीडियो सन्देश में कहा, "मैं आग्रह करना चाहती हूं कि एक हेल्पलाइन हो, हजार लोगों का कंट्रोलरूम हो। कम से कम ये लोग अपनी समस्याओं को बता पायें। ताकि दूसरी सरकारों से इनकी मदद हो पाए।" उन्होंने कहा, "कई दिनों से जो यूपी के प्रवासी मजदूर अलग–अलग प्रदेशों में फंसे हुए हैं, उनसे मैं बात कर रही हूं। मैंने राजस्थान में, दिल्ली में, सूरत में, इंदौर में, भोपाल में, मुंबई और अन्य प्रदेशों में फंसे हुए लोगों से बात की। उनकी सबसे बड़ी समस्या क्या है? मजदूरी करने के लिए ये अलग–अलग शहरों में गए। लकडाउन हुआ और मजदूरी बंद हो गई। ये लोग किसी भी तरह से घर जाना चाहते हैं। हम और आप भी तो अपने परिवार के साथ रहना चाहते हैं।" उन्होंने कहा, "हमें इनकी समस्या का हल खोजने की कोशिश करनी चाहिए। यह सबकी जिम्मेदारी है, मेरी है, आपकी है। हर सरकार की है। हम उनको इस तरह से नहीं छोड़ सकते।"

बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी बोले, देश के गद्दार हैं जमाती, कोरोना फैलाने की रच रहे साजिश

फैजाबाद। अयोध्या विवाद में बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने कहा है कि जमाती देश के गद्दार हैं। वह कोरोना जैसी महामारी को फैलाने की साजिश रच रहे हैं। इससे पूरे मुल्क के मुसलमानों की बदनामी हो रही है। अंसारी रविवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम देश के वफादार हैं। अंसारी के अनुसार जमाती घुमंतू होते हैं, जगह–जगह घूमते रहते हैं, जहां जगह मिली वहीं सो जाते हैं जहां खाना मिला वहां खा लेते हैं लेकिन मौजूदा समय में यही जमाती कोरोना फैलाने का कारण बन रहे हैं। यह बीमारी खासतौर पर जमातियों में पाई जा रही है। सरकार की ओर से इन्हें जांच और इलाज के लिए बुलाया जा रहा है लेकिन यह छिप रहे हैं। क्या डर है उनको, सरकार सुविधा दे रही है जांच कराना चाहती है इलाज कराना चाहती है लेकिन यह बीमारी को फैलाने की मंशा पाले हुए हैं।दअंसारी ने कहा कि जो सच्चा मुसलमान है वह कोरोना से लड़ना चाहता है। ऐसे जमातीयों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, यह जहां मिले इन्हें सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि हम कोरोना को फैलने नहीं देंगे। कोरोना हारेगा और देश जीतेगा। हिंदू और मुसलमान मिलकर कोरोना के खिलाफ लड़ेंगे।

कोटा से आए छात्र–छात्राओं को उनके घर में ही क्वारेंटाइन किया जाए : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राजस्थान के कोटा से बस द्वारा लाए गए सभी कोचिंग छात्र–छात्राओं को उनके घर में ही क्वारेंटाइन किया जाए। मुख्यमंत्री ने सोमवार सुबह टीम ११ के अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सभी बच्चों को आरोग्य ऐप डाउनलोड करने और उसमें दिए गए निर्देशों का पालन करने के लिए कहा जाए। उत्तर प्रदेश सरकार ने कोटा में फंसे प्रदेश के कोचिंग छात्र–छात्राओं को वहां से लाने के लिए २,००० बसें भेजी थीं। अपने प्रदेश में लाने के बाद उन्हें संबंधित जिलों में ले जाया गया। योगी ने आगे कहा कि उन सभी जिलों में कोराना जांच प्रयोगशालाएं स्थापित की जानी चाहिए जहां अभी यह सुविधा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन क्षेत्रों में सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए, जहां कामकाज शुरू करने की अनुमति दी गई है।

राहुल की भेजी राहत सामग्री के वितरण में अड़ंगे लगा रही है स्मृति : कांग्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद स्मृति ईरानी पर अपनी नाकामी छिपाने के लिये कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा अमेठी की जनता के लिये भेजी गयी राहत सामग्री के वितरण में अड़ंगे लगा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि गांधी ने अपने पूर्व लोकसभा क्षेत्र अमेठी की जनता के लिये छह ट्रक गेंहू,पांच ट्रक चावल, १६४०० राशन के थैले, ७० हजार मास्क, २० हजार सैनिटाइजर और २० हजार साबुन भेजे थे जिसे कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरे सेवा भाव से बांट रहे है। गांधी के इस काज की अमेठी की जनता और मीडिया तारीफ कर रही है जो अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी और प्रशासन को नागवार गुजरा है। अपनी नाकामी को छुपाने में असफल भाजपा सांसद अब कांग्रेस कार्यालय पर छापे मारने का और कांग्रेसियो को प्रताड़ित करने के लिये प्रशासनिक दबाव बना रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने सोमवार को कहा कि अमेठी से कांग्रेस का रिश्ता परिवार का हैं। महामारी के दौर में कांग्रेस परिवार दिन रात जरूरतमंदों की सेवा कर रहा है। जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल पूरी ताकत से राहत सामग्री के वितरण में लगे हुये है। अमेठी के लोग राहुल की प्रशंसा कर रहे है। मीडिया ने इसे स्वीकारा है। भाजपा यह देखकर घबरा गई हैं तथा सत्ता का दंभ दिखा कार्यालयों पर छापा मार द्वेष–भावना से पूर्ण कार्यवाही कर रही हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमती ईरानी का महत्वपूर्ण कार्य अन्ताक्षरी खेलना रहा है। वह सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर राहत सामग्री के वितरण पर विघ्न डाल रही है। अमेठी एडीएम ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष से पूछताछ की, पार्टी कार्यालय के बंद होने पर भी प्रशासन ने छापा मारा। कार्यालय के चौकीदार को धमकाया गया। ये भाजपा और स्मृति ईरानी की झुंझलाहट को दर्शाता है। कांग्रेस इस सरकारी गुंडागर्दी का पुरजोर विरोध करती है। गरीब जनता को राहत पहुँचाने से कोई नही रोक सकता। अमेठी की जनता नकारा भाजपा सरकार और स्मृति ईरानी को जवाब जरूर देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेसियो के विरोध ा से घबराई अमेठी सांसद झूठी खबरे और फेक फोटो सर्कुलेट कर रही है। जबकि सच्चाई है कि वो व्यक्ति खुद भाजपा कार्यकर्ता है और अमेठी सांसद के साथ अपनी फोटो सोशल मीडिया में शेयर किया है। भाजपा यह जान लें कांग्रेस का कार्यकर्ता डरने वाला नहीं हैं,महामारी के इस दौर में अमेठी के जरूरतमंद परिवारों की सेवा जारी रहेगी।

बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी द्वारा अपने बच्चे का बाल काटने का वीडियो हुआ वायरल

अखिलेश दुबे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी द्वारा अपने पुत्र का घर के अंदर बाल

काटने का वीडियो खूब वायरल हो रहा है उन्होंने बताया कि बचपन में पिताजी की २४ इंच की हरक्यूलिस साइकिल से कैंची चलाना सीखने के बाद जितनी खुशी मिली थी उतनी ही आज अपने सुपुत्र का बाल काटने से हुई उन्होंने कहा कि सभी लोग अपने घरों में सुरक्षित हैं और स्वस्थ रहें सोशल डिस्टेंस के साथ फिजिकल डिस्टेंस भी ध्यान रखें उन्होंने यह भी बताया इस माह का उन्होंने पूरा वेतन प्रधानमंत्री राहत कोष में दे दिया है पिछले महीने का उन्होंने मुख्यमंत्री के राहत कोष में दे दिया था इस बार मैंने प्रधानमंत्री राहत कोष में दिया सभी लोग घरों के अंदर रहे और समय–समय पर सोशल और फिजिकल डिस्टेंस का भी पूरा ध यान रखें अपनी क्षमता के अनुरूप दूसरों का भी मदद करें और सबका ध्यान रखे वहीं समाजसेवी और शिक्षक नेता ज्ञानेंद्र ओझा ने कहा आज हमारा देश और समाज एक कठिन दौर से गुजर रहा है और हम लोग अपने पूरी क्षमता के अनुरूप देश और समाज के लिए खड़े हैं और सदैव आगे बढ़ाने के कार्य करेंगे।

यूपी में कोरोना संक्रमितों की संख्या ११०० पहुंची, १७ की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को संक्रमितों की संख्या बढ़कर ११०० हो गई। इस वायरस की चपेट में ५० जिले आ गए हैं। रविवार को १२५ नए मरीज मिले हैं। प्रदेश में कोरोना से कुल १७ मौतें हो चुकी हैं। संक्रामक रोग विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. विकासेंदु अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश के आगरा में २४०, लखनऊ में १६५, गाजियाबाद में ४१, गौतमबुद्धनगर (नोएडा) में ६५, लखीमपुर खीरी में ४, कानपुर नगर में ३०, पीलीभीत में २, मुरादाबाद में ५७, वाराणसी में १४, शामली में २२, जौनपुर में ५, बागपत में १५, मेरठ में ७४, बरेली में ६, बुलंदशहर में १५, बस्ती में १६, हापुड़ में १६, गाजीपुर में ५, आजमगढ़ में ७, फीरोजाबाद में ४८, हरदोई में २, प्रतापगढ़ में ६, सहारनपुर में ७२ व शाहजहांपुर में १ लोग संक्रमित है। वहीं, बांदा में

३, महराजगंज में ६, हाथरस में ४, मिर्जापुर में ४, रायबरेली में २, औरैया में ६, बाराबंकी में १, कौशाम्बी में २, बिजनौर में २२, सीतापुर में १७, प्रयागराज में १, मथुरा में ४ व बदायूं में ८, रामपुर में १४, मुजफ्फरनगर में ५, अमरोहा में १० व भदोही में १, कासगंज में ३, इटावा में ३, संभल में ७, उन्नाव में १, कन्नौज ५, संत कबीर नगर १, मैनपुरी में ४, गोंडा में १, मऊ में १ व्यक्ति की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि आइसोलेशन में १०५० लोग, जबकि १०२३४ लोगों को मेडिकल क्वारंटीन में रखा गया है। अब तक सामने आए कोरोना पजिटिव केसों में शून्य से २० उम्र के १८.५ प्रतिशत, २१ से ४० की उम्र के ४७.३ प्रतिशत, ४१ से ५० की उम्र के २४.७ प्रतिशत और ६० से अधिक की उम्र के ०.६४ प्रतिशत संक्रमित हैं। उन्होंने बताया कि कुल संक्रमित लोगों में ७८ प्रतिशत पुरुष और २२ प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं।

कोरोना महामारी जंग को जीतने के लिए सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र में चलाया गया सघन चेकिंग अभियान

अखिलेश दुबे, लखनऊ। खतरनाक कोरोना वायरस के मद्देनजर लॉकडाउन के चलते थाना प्रभारी आनंद शाही ने थाना सरोजनी नगर के हैडिल क्रासिंग पर आज सघन चेकिंग अभियान चलाया और लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग का पाठ पढ़ाया चेकिंग के दौरान कारों और मोटर साइकिलों पर सवार लोगों को जबरदस्त हिदायत देते हुए कई वाहनों के कागज, हेलमेट व पास चेक किये वही थाना प्रभारी ने लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में जागरुक कर लोगों को मास्क लगाने और सेनेटाइज होकर ही घर से न निकलने हिदायत दी और कहा कि यदि बहुत जरूरी है तभी घर से बाहर निकले आप लोग अपने घरों पर रहकर शासन व प्रशासन को सहयोग करें और सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन कर कोरोना महामारी जंग को जीतने में अपना सहयोग करें ।

डी–१ गैंग के नाम पर रंगदारी मांगने वाले तीन अभियुक्त गिरफ्तार कब्जे से एक अदद तमंचा, 02 अदद जिंदा कारतूस बरामद

मो० अरशद

मऊ। पुलिस अधीक्षक मऊ श्री अनुराग आर्य के निर्देशन में अपराध/अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तथा क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद श्री नन्दलाल के पर्यवेक्षण में थाना चिरैयाकोट पुलिस को उस वक्त अहम सफलता हाथ लगी जब दिनांक १७.०४.२० को थानाध्यक्ष चिरैयाकोट विनोद कुमार तिवारी मय हमराहियान देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान जरिये मुखबिर की सूचना मिली की मनाजीत बाईपास पर तीन व्यक्ति एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर कही अपराध करने जाने की फिक्र में है इस सूचना पर विस्वास कर थाना चिरैयाकोट पुलिस द्वारा उक्त स्थान पर एकबारगी दबिस देकर अरमान पुत्र वलीजान सा० औसतपुर, सिद्धार्थ शुक्ला पुत्र

दिवाकर शुक्ला सा० दरियापट्टी, आदित्य यादव उर्फ सचिन यादव पुत्र अमरनाथ यादव सा० मनाजीत थाना चिरैयाकोट जनपद मऊ के कब्जे से एक अदद तमंचा मय ०२ अदद जिंदा कारतूस १२ बोर तथा एक मोटरसाइकिल बरामद कर गिरफ्तार किया गया। जब गिरफ्तार व्यक्तियों से कड़ाई से पूछ–ताछ हुइ तो उनके द्वारा बताया गया कि हम लोगों ने ही विक्रान्त यादव पुत्र बालकिशुन यादव सा० अब्दोपुर थाना चिरैयाकोट जनपद मऊ, अभिमन्यू यादव उर्फ मोनू यादव पुत्र रामकिशुन सा० अजगरा थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ़ के इशारे पर ही दरियापट्टी के शमशेर विल्डिंग मैटिरियल के मालिक आफताब आलम को फोन पर धमकी देकर १० लाख रूपये की मांग की थी। गौरतलब है कि दिनांक १६.०३.२० को वादी आफताब आलम पुत्र समशेर अहमद निवासी औसतपुर द्वारा मोबाइल पर फोन कर लालू यादव के नाम पर १० लाख रूपये की रगंदारी मांगने को लेकर थाना स्थानीय पर मु०अ०सं० ४१६२० धारा ३८६,५०७ भदवि० का अभियोग पंजीकृत कराया था। जिसके सम्बन्ध मे पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन पर थाना चिरैयाकोट पुलिस द्वारा उक्त मामले की खुलासे हेतु प्रयास किया जा रहा था। बरामदगी–१. एक अदद तमन्चा मय ०२ अदद जिन्दा कारतूस १२ बोर। २. एक अदद मोटरसाइकिल। गिरफ्तार अभियुक्त– १.अरमान पुत्र वलीजान सा० औसतपुर थाना चिरैयाकोट जनपद मऊ। २.सिद्धार्थ शुक्ला पुत्र दिवाकर शुक्ला सा० दरियापट्टी थाना चिरैयाकोट जनपद मऊ। ३. आदित्य यादव उर्फ सचिन यादव पुत्र अमरनाथ यादव सा० मनाजीत थाना चिरैयाकोट जनपद मऊ। गिरफ्तारकर्ता पुलिस टीम– उ०नि० श्री विनोद कुमार तिवारी थानाध यक्ष चिरैयाकोट, .उ०नि० देवेन्द्र कुमार, का० ऋषिकेष यादव, का० अरविन्द सोनकर, का० शिवकुमार सरोज, का० मनीष यादव (थाना चिरैयाकोट)।

क्या तब्लीगी जमात के अस्तित्व से दुनिया अनजान थी

डॉ नीलम महेंद्र

कोरोना के खिलाफ अपनी लड़ाई में भारत धीरे धीरे लेकिन मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़े बताते हैं कि देश में कोरोना मरीजों की संख्या में वृद्धि होने की गति कम हुई है। यह संख्या अब ७.५ दिनों में दुगुनी हो रही है। लेकिन इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि कोरोना से इस लड़ाई के दौरान निजामुद्दीन में तब्लीगी जमात का मारकज सबसे कमजोर कड़ी साबित हुआ। और शायद इसी वजह से यह संगठन जिसके नाम और गतिविधियों से अबतक देश के अधिकतर लोग अनजान थे आज उसका नाम और उसकी करतूतें देश की सुरक्षा एजेंसियों से लेकर आम आदमी की जुबां पर है। लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं निकाला जाए कि तब्लीगी जमात के अस्तित्व से दुनिया अनजान थी। विश्व के अनेक देशों की खुफिया एजेंसियों की नजर काफी पहले से इन पर थीं। काफी पहले से ही इन पर विभिन्न देशों में होने वाली आतंकवादी गतिविधियों में परोक्ष रूप से शामिल होने के आरोप लगते रहे हैं। इस पर अल कायदा , हरकत उल मुजाहिदीन, तालिबान जैसे आतंकवादी संगठनों के लिए युवाओं को भर्ती करने के आरोप हैं। अमरीकी खुफिया एजेंसी स्ट्रेटफॉर ने जब ९ध११ के हमले की जांच की थी तो इस जांच की आंच तब्लीगी जमात तक भी पहुंची थी। आश्चर्य की बात है कि विभिन्न आतंकवादी संगठनों को परोक्ष रूप से मदद करने के आरोपों के बावजूद इस जमात की जड़ें विश्व के लगभग १५० देशों तक फैली हैं। लेकिन उससे भी बड़ा आश्चर्य यह है कि सऊदी अरब और ईरान जैसे मुस्लिम मुल्कों में इसे प्रतिबंधित किए जाने के बावजूद भारत में इसकी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगना तो दूर की बात है बल्कि भारत की राजधानी दिल्ली के भीतर भारत सरकार की नाक के नीचे ही इसका

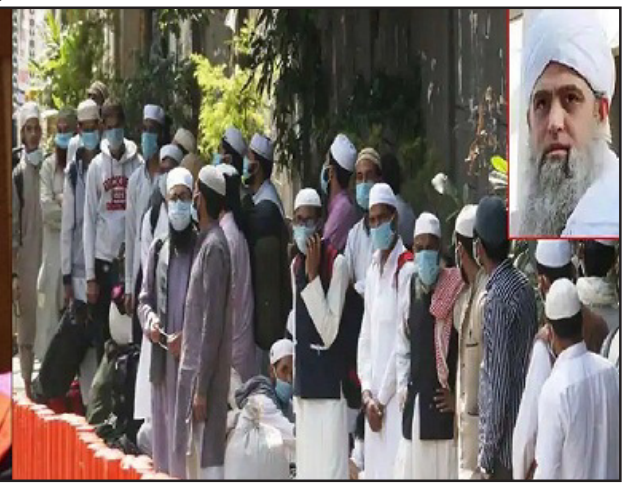

अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय है। जब तक कानूनी रूप से यह सिध्द नहीं हो जाता कि तब्लीगी जमात के आतंकवादियों से किसी प्रकार के संबंध हैं या नहीं यह विवाद का विषय हो सकता है लेकिन कोरोना संकट के इस काल में तब्लीगी जमात के लोगों के विवादित आचरण पर तो किसी प्रकार की असहमति का प्रश्न ही नहीं उठता। चाहे वो सरकार के दिशा निर्देशों की धज्जियाँ उड़ाना हो, या स्वास्थ्य कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार हो, पुलिस कर्मियों पर पथराव और हिंसा का तांडव हो या फिर जगह जगह थूकना अथवा ऐसे क्रिया कलाप करना जिससे यह बीमारी फैले। वैसे तब्लीगी जमात के मौलाना साद का वीडियो सामने आने के बाद तब्लीगी जमात के लोगों के इस आचरण पर ज्यादा आश्चर्य करने का औचित्य नहीं रह जाता लेकिन इंसानियत के दुश्मन ऐसे लोगों पर सरकार द्वारा कठोर कार्यवाही करने में राजनैतिक इच्छाशक्ति की कमी दिखाना अवश्य आश्चर्यजनक लगता है। ऐसे संगठनों पर कार्यवाही ना कर पाने की सरकारों की अपनी अपनी मजबूरियाँ हो सकती हैं लेकिन इन्हीं मजबूरियों से समाज के भीतर से विद्रोह के स्वर भी उपजते हैं। तब्लीगी जमात के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। देश के मुस्लिम समाज के भीतर से ही जमात के विरोध में आवाजें उठने लगीं। बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने तब्लीगी जमात की गतिविधियों के चलते उनपर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। वहीं शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिज्वी का कहना है कि, ष्यह दुनिया की सबसे खतरनाक जमात है। यह मुसलमानों का ऐसा समूह है जो पूरी दुनिया में इस्लाम के प्रचार के नाम पर मुसलमान युवाओं को कट्टरपंथी बनाता है।' इसी प्रकार अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री मोहसिन रजा ने भी तब्लीगी जमात पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कहा कि जमात ने देशविरोधी मानसिकता का प्रदर्शन किया है। जबकि बरेली की दरगाह आला हजरत ने सरकार से तब्लीगी जमात पर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की। शिया धर्म गुरु भी तब्लीगी जमात पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं। इतना ही नहीं फिल्म उद्योग से जुड़े विभिन्न मुस्लिम चेहरे जैसे अब्बास टायरवाला और सलमान खान भी जमातियों के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं और देश के हर मुसलमान को घर पर ही नमाज पढ़ने के साथ सोशल डिस्टनसिंग की सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित भी कर रहे हैं। लेकिन अब रमजान के महीने और तब्लीगी जमात के इतिहास को देखते हुए पूर्व कांग्रेस नेता मौलाना आजाद के पौत्र फिरोज बख्त जो कि मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्विद्यालय के कुलाधिपति भी हैं, उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर लॉक डाउन की तारीख २४ मई तक बढ़ाने की मांग करते हुए देश भर में मुसलमानों द्वारा स्वास्थ्य एवं पुलिस कर्मियों के साथ किए गए दुर्व्यवहार के लिए क्षमा भी मांगी।इससे स्पष्ठ है कि तब्लीगी जमात इस देश के मुसलमान की पहचान नहीं है। क्योंकि तब्लीगी जमात का आतंकवाद कनेक्शन है या नहीं यह तो समय ही बताएगा लेकिन इतना तो साफ है कि कट्टरता को बढ़ावा देना उसका मकसद जरूर है। और जहाँ कट्टरता आती है वहाँ उदारता का आसमान छोटा हो जाता है, ज्ञान और विज्ञान के सभी दरवाजे बंद हो जाते हैं। सोच के साथ पहचान भी संकुचित हो जाती है। क्योंकि सोच ही विचार बनाती है, यह विचार ही शब्दों का रूप लेते हैं, यह शब्द हमारा व्यवहार बनते हैं हमारी आदतें बनती हैं। यही आदतें हमारा चरित्र बनाती हैं और अंत में यही चरित्र हमारी नियति। अतः यह समझना जरूरी है कि तब्लीगी जमात ने अपनी यह पहचान देशविरोधी गतिविधियों वाले चरित्र से स्वयं बनाई है और यह पहचान इस देश के हर मुसलमान की कदापि नहीं हो सकती। इस देश के मुसलमान की पहचान तो अशफाकउल्ला खान ,अब्दुल हमीद, अब्दुल कलाम आजाद बिस्मिल्लाह खान जैसे नाम हैं जिनके बिना हिदुस्तान वो नहीं होता जो वो आज है। इसलिए आज जब भारत आगे बढ़ रहा है और २१ वीं सदी की बातें कर रहा है, विश्व में एक मुकाम हासिल करने के ख्वाब देख रहा है तो वहाँ कट्टरता और संकीर्णता की कोई जगह नहीं हो सकती। आज मुस्लिम समाज ही नहीं देश को भी आवश्यकता है ऐसे पढ़े लिखे युवा मुस्लिम नेतृत्व की जो उदारवादी होने के साथ ही आधुनिक समय की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाते हुए सही मायनों में धर्मनिरपेक्ष रूप से इस्लाम का सही स्वरूप देश और दुनिया के सामने लाए। (लेखिका वरिष्ठ स्तंभकार है)

अद्भुत बच्ची : लटके चेहरे वाली बच्ची

अमरेन्द्र सहाय अमर

दुनिया अजीब विचित्रताओं से भरी है. जिनके बारे में जान कर आप हैरत में पड़ जायेंगे. कभी कभी बच्चे जन्मजात बीमारियों को लेकर पैदा होते है. कुछ बच्चे तो इन बीमारियों का सामना नहीं कर पाते और दुनिया को अलविदा बोल देते है. लेकिन कुछ बच्चे अपनी दृढ़ शक्ति और जीने की लालसा की बदौलत गंभीर बीमारियों को साथ लेकर जीते है और अपनी बीमारी को ठेंगा दिखा देते हैं. आपने तमाम तरह के ट्यूमर के बारे में सुना होगा. कहते हैं जिसे ट्यूमर होता है वह अधिक दिन जिंदा नहीं रह पाता, लेकिन आज हम आपको बताने जा रहे हैं एक फेशियल ट्यूमर के बारे में जो एक बच्ची को जन्म से है. ये बच्ची कोई और नहीं दो वर्षीय ओलिविया है. ओलिविया को पैदा होने के दौरान ही फेशियल ट्यूमर था. इस दौरान ओलिविया का चेहरा दाईं तरह से सूजा हुआ और बाहर की तरफ लटका हुआ है. जब ओलिविया पैदा हुयी तो उसके माता पिता को उसके जीवित रहने की उम्मीद नहीं थी लेकिन इस दम्पति ने इस फेसियल ट्यूमर को अभिशाप नहीं माना और इस मुसीबत से लड़ते रहने का हिम्मत जुटाया. आज उनकी हिम्मत को दाद देनी पड़ेगी कि उन्होंने अपनी बच्ची इस अभिशाप के साथ जीने का फैसला किया. ओलिविया के पेरेंट्स को उम्मीद है कि एक दिन उसका उपचार होगा और उसका चेहरा ठीघ्क हो जाएगा. हालांकि ओलिविया जैसे–जैसे बड़ी हो रही है उसके ट्यूमर को आकार सिकुड़ रहा है. अब तक ५० फीसदी ये ट्यूमर सिकुड़ चुका है. इस ट्यूमर की वजह से ओलिविया के लाइफ स्टाइल में कोई खास फर्क नहीं आया है. वो सामान्य बच्चों की तरह ही खेलती है. ओलिविया अपने पेरेंट्स के साथ कैलिफोर्निया में रहती है. आपको बता दें, ओलिविया बैले डांसर हैं और उसे प्यानो बजाने का भी बहुत शौक है. ओलिविया की डांस टीचर और क्रच के लोग उसके हंसमुख स्वभाव की बहुत तारीफ करते हैं।

प्राथमिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा मे बच्चो को आनलाईन कराई करायी जा रही पढ़ाई

अखिलेश दुबे

लखनऊ। सरोजिनी नगर क्षेत्र में स्थित अलीनगर सुनहरा बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा नगर क्षेत्र जोन के छात्रों को अनलाइन शिक्षा देने का कार्य चल रहा है यहां के इंचार्ज व अध्यापक राकेश पांडे द्वारा अपने व्हाट्सएप के माध्यम से आनलाईन शिक्षा बच्चों को ग्रहण कराई जा रही है जिससे लॉकडाउन के समय बच्चे शिक्षा से वंचित न रह सकें इसके लिए यहां के अध्यापक ने अपने व्हाट्सएप नंबर पर सभी अभिभावकों को जोड़कर एक ग्रुप अपने मोबाइल पर बनाकर विद्यालय में आने वाले गरीब व मजदूरों के परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा सुलभ हो बच्चे शिक्षित हो सके इसको ध्यान रखते हुए सभी बच्चों को शिक्षा ग्रहण कराने का कार्य जारी है बातचीत करने पर पांडे जी ने बताया कि हमने

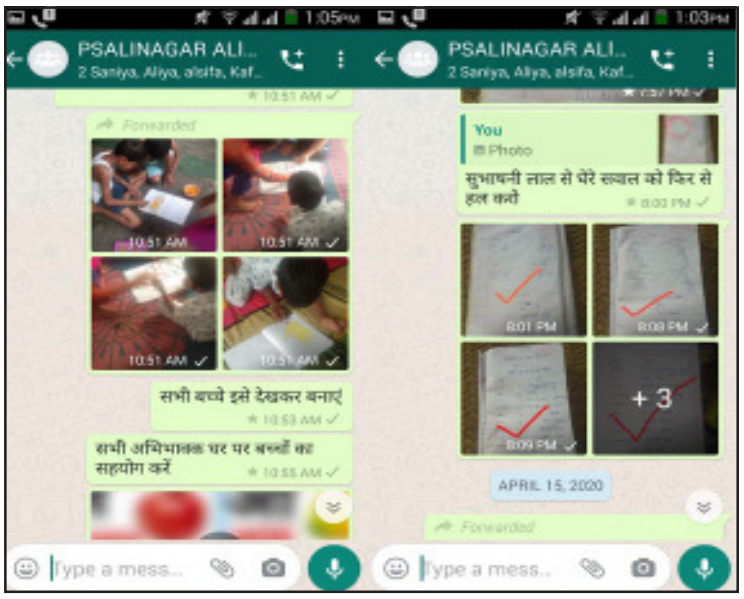

ग्रुप के माध्यम से निवेदन कर अभिभावकों को जागरूक किया कि आप सभी अपने घरों में रहकर लॉकडाउन का पालन करते हुए सरकार का सहयोग करें जिससे कोरोना महामारी को जीता जा सके और हम एक शिक्षक है हमें अपने छात्रों को शिक्षित कर उसे योग्य बनाने के दायित्व का निर्वाह करने के लिए अनलाइन शिक्षा देने का कार्य कर रहे हैं जिससे वह अपने चरित्र निर्माण के साथ देश व राष्ट्र यह निर्माण में अपना सहयोग भी कर सके।

बकाया गन्ना मूल्य के बदले चीनी भी मिलेगी

लखनऊ। जिन अपूर्तिकर्ता गन्ना किसानों का गन्ने का मूल्य बकाया है, वह उसके बदले चीनी भी ले सकते हैं, ये विकल्प प्रदेश सरकार ने गन्ना किसानों को दिया है। इस बार में जानकारी देते हुए चीनी उद्योग व गन्ना विकास मंत्री सुरेश राणा ने शनिवार को बताया कि चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग कोरोना महामारी की इस देशव्यापी विभीषिका के दौरान भी गन्ना किसानों के आर्थिक हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए किसानों को राहत देने के लिए ये विकल्प दिया गया है। वहीं इस बारे में बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए प्रदेश के आयुक्त संजय आर. भूसरेड्डी ने बताया कि गन्ना ेषकों की ओर से चीनी उपलब्ध कराये जाने की मांग को ध्यान में रखते हुए ये निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि पेराई सत्र २०१९–२० के अन्तर्गत चीनी मिलों की ओर से इच्छुक आपूर्तिकर्ता गन्नाेषकों को बकाया गन्ना मूल्य के एवज में चीनी की उपलब्धता कराई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया की प्रत्येक गन्नाे षक को एक कुंतल चीनी प्रति माह में उस दिन के चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य और जीएसटी के आधार पर माह जून, २०२० तक उपलब्ध करायी जायेगी, यदि चीनी मिल की ओर से उस दिन कोई चीनी बिक्री नहीं की गई है तो उसके पूर्व दिवस में चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य तथा जीएसटी के आधार परेषकों को चीनी उपलब्ध करायी जायेगी। इच्छुक गन्नाे षक अपने साधनों के माध्यम से मिल गोदाम से चीनी उठान करेंगें। चीनी प्राप्त करने वाले किसानों को इस बात का ध्यान रखना होगा कि चीनी मिल से उन्हें यातायात व्यव नहीं दिया जायेगा। साथ ही चीनी मिलों के अध्यासियों को यह भी निर्देशित किया गया कीेषकों को उपलब्ध करायी जाने वाली चीनी की मात्रा भारत सरकार की ओर से सम्बन्धित चीनी मिल के निर्धारित मासिक कोटे के अन्तर्गत ही होगी तथा जीएसटी को नियमानुसार राजकोष में जमा करने का उत्तरदायित्व सम्बन्धित चीनी मिल का होगा। यदि जीएसटी जमा करने अथवा न्यूनतम मूल्य से अधिक मूल्य पर कृषकों को चीनी दिए जाने का प्रकरण संज्ञान में आता है तो सम्बन्धित मिल इसके लिए जिम्मेदार होगी।

मैनुअल पास बनवाने के लिए एडीएम कार्यालय में हंगामा

बरेली। लाकडाउन में जरूरी काम से जनपद से बाहर आने–जाने के लिए सोमवार को ५० से अधिक लोग मैनुअल पास बनवाने के लिए कलेक्ट्रट पहुंचे थे। यहां अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) वीके सिंह के कार्यालय के बाहर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिए बनाए गोलों में खड़े न होकर लोग कार्यालय के गेट पर झुंड बनाकर खड़े हो गए। लोगों के जबरन कार्यालय में घुसने पर अपर जिलाधिकारी अपने कक्ष से बाहर आए और लोगों से गोलों में खड़े होने के लिए कहा लेकिन भीड़ नहीं हटी। इस बीच नगर मजिस्ट्रेट मदन कुमार भी वहां आ गए। उन्होंने भी हड़काते हुए लोगों से गोलों में खड़े होने को कहा। इस पर काफी लोग लौट गए। भीड़ में शामिल एक व्यक्ति ने खुद को अधिकारी बताते हुए गोले में खड़ा होने से इन्कार कर दिया। कहा कि मैं भी अधिकारी रैंक का हूं, नहीं जाऊंगा। बताते हैं कि इससे पहले कि सिटी मजिस्ट्रेट कुछ कहते, ५० साल से अधिक उम्र के इस व्यक्ति ने अधिकारी होने का रौब गांठना शुरू कर दिया। इस पर सिटी मजिस्ट्रेट भी भड़क गए। दोनों के बीच जमकर गहमागहमी हुई जिसके बाद हंगामा होना शुरू हो गया। इससे पास बनवाने पहुंचे लोग घबरा गए। कलेक्ट्रेट के कर्मचारी अपने कक्षों से बाहर निकल आए। हॉट–टाक इतनी बढ़ गई कि कर्मचारी बीच में न पड़ते तो मारपीट हो जाती। इस दौरान होमगार्ड व पुलिस भी पहुंच गई। नगर मजिस्ट्रेट ने हाथ में डंडा पकड़ा और पास बनवाने पहुंचे सभी लोगों को पुलिस की मदद से कलेक्ट्रेट गेट से बाहर खदेड़वा दिया। अपर जिलाधिकारी के आशुलिपिक के अनुसार हंगामा करने वाला व्यक्ति महिला के साथ आया था। हंगामा होने से पूर्व महिला अपर जिलाधिकारी से पास बनवाने को लेकर मिल चुकी थी। उसने दिल्ली के डाक्टर से इलाज चलने की बात कहते हुए दवा लाने के लिए पास बनवाने की बात कही थी। मैनुअल पास बनवाने को लेकर अराजकता का माहौल पैदा होने पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने पास बनवाने की व्यवस्था में बदलाव कर दिया है। अब थाना क्षेत्रों के अपर नगर मजिस्ट्रेट ही पास बनाएंगे। इसके निर्देश एडीएम ने जारी कर दिए हैं। ताकि कलेक्ट्रेट में भीड़ न जुट सके। वैसे ई–पास बनाने के आदेश हैं लेकिन जरूरतमंद लोगों की दिक्कतों को देखते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन अभी तक इमरजेंसी में मैनुअल पास भी बनाकर दे रहे थे।

महिला ने तीन बच्चों को दिया जन्म

बरेली। वरूण अर्जुन चिकित्सा महाविद्यालय एवं रोहिलखण्ड चिकित्सालय बन्थरा शाहजहांपुर में सोमवार को तहसील पुवायां निवासी एक महिला ने तीन बच्चों को जन्म दिया है। तीनों बच्चे और प्रसूता पूरी तरह से स्वस्थ्य हैं। बन्थरा शाहजहांपुर स्थित वरूणअर्जुन चिकित्सा महाविद्यालय एंव रोहिलखण्ड चिकित्सालय के डा. (कर्नल) कृष्ण गोपाल पोल और डा.कामता प्रसाद निराला ने बताया कि सोमवार की सुबह को तहसील पुवायां निवासी निर्मल कौर प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल पहुंची। जच्चा बच्चा की हालत काफी खराब थी। चिकित्सकों ने आनन–फानन में ऑपरेशन किया। आपरेशन के दौरान महिला ने दो पुत्र और एक पुत्री को जन्म दिया। आपरेशन के बाद महिला व उसके तीनों बच्चे पूरी तरह से स्वस्थ्य हैं। महिला के एक साथ दो पुत्र और एक पुत्री होने पर पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। वहीं वरूण अर्जुन चिकित्सा महाविद्यालय और रोहिलखण्ड चिकित्सालय में भी खुशी की लहर है।

शिक्षा भवन के पीछे लक डाउन की उड़ रही हैं धज्जियां,चल रहा क्रिकेट, और नशा

राकेश पाण्डेय निश्छल

लखनऊ। सीएम के सख्त निर्देश के बाद भी नही हो रहा कई क्षेत्रों

में लॉकडाउन का पालन खास कर लखनऊ के वजीरगंज थाना क्षेत्र में लोग नही कर रहे लक डाउन का पालन कारण आगामील द्वेडी चौकी इंचार्ज श्रवण कुमार सुस्त हैं और वहां की जनता मस्त, शिक्षा भवन के पीछे फार्म में उड़ रही धज्जियां वहां दिन भर में युवक क्रिकेट खेलते है रहते हैं। और शाम होते शुरू हो जाता है बिल्डिंग में नशेड़ियों और जुवारियो का जमावड़ा। लेकिन वजीरगंज पुलिस खाना पूर्ति के लिए गस्त कर भेज देती है आलाधिकारियों को फोटो उसके बाद सुस्त हो जाती है वजीरगंज पुलिस इस क्षेत्र में सोशल डिस्टनसिंग की सरेआम उड़ रही धज्जियां मगर किसी को करोना का डर नहीं है। मामला वजीरगंज थाना क्षेत्र के शिक्षा भवन के पीछे फार्म हाउस का है।

उत्तर प्रदेश के 45 जिलों में बंद का नहीं हो रहा पूरा पालन

राकेश पाण्डेय निश्छल

लखनऊ। कोविड–१९ संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए किए जा रहे बंद के पालन में उत्तर प्रदेश के ४५ जिलों में 'कमी' पाई गई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी ने प्रदेश की राजधानी लखनऊ, प्रधानमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी और गौतम बुद्ध नगर सहित इन ४५ जिलों के जिलाधिकारियों और पुलिस प्रमुखों को भेजे गए पत्र में ने उनके प्रदर्शन को 'असंतोषजनक' करार दिया है। रिपोर्ट की पुष्टि करते हुए, अवस्थी ने संवाददाताओं से कहा कि असंतोषजनक प्रदर्शन वाले जिला अधिकारियों को बंद के पालन में सुधार करने के लिए निर्देशित किया गया है और २० अप्रैल के बाद कुछ ढील देने के लिए तैयारियां करने को भी कहा है। अवस्थी द्वारा खुद तैयार की गई इस रिपोर्ट में खराब प्रदर्शन के संभावित कारणों का भी उल्लेख किया गया है। उदाहरण के लिए, लखनऊ और गौतम बुद्ध नगर के मामले में पुलिस और प्रशासन के बीच समन्वय की कमी का उल्लेख किया गया है। जिन जिलों ने 'संतोषजनक' प्रदर्शन किया है, उनमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जिले गोरखपुर, अयोध्या, अलीगढ़, एटा, हाथरस, पीलीभीत शामिल हैं। शाहजहांपुर भी बेहतर प्रदर्शन करने वालों में है, जबकि प्रयागराज का प्रदर्शन भी इस मामले में 'कमजोर' रहा है। यह रिपोर्ट विभिन्न मानदंडों के पालन और चिकित्सा सुविधाओं, कोविड–१९ रोगियों की संख्या, पुलिस और चिकित्सा कर्मचारियों पर हमलेआदि के आधार पर तैयार की गई है। एसीएस ने बीमारी के प्रसारण की जांच करने और बंद के प्रोटोकल का पालन करने जैसे कामकाज में सुधार के लिए सभी अधिकारियों को रिपोर्ट भेज दी है।

समस्याओं को लेकर मजदूर सभा ने किया एक दिवसीय उपवास

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर–खीरी। समाजवादी मजदूर सभा के प्रदेश सचिव सुरेन्द्र कुमार एडवोकेट ने जारी बयान में बताया कि सरकारो के मजदूर विरोधी रवैये व संवेदनहीनता के चलते समाजवादी मजदूर सभा व अन्य ट्रैड यूनियनों द्वारा राष्ट्रव्यापी आहवान के तहत १६ अप्रैल २०२० को प्रातः१० बजे से शाम ५रू०० बजे तक समाजवादी मजदूर सभा के कार्यकर्ता व तमाम समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों ने मजदूरों के प्रति इस कोरोना महामारी के कारण लॉक डाउन के चलते बेरोजगारी ने भुखमरी और के हालात उत्पन्न कर दिये हैं। ऐसे संकट के दौर मैं संवेदनशील प्रगतिशील, लोकतन्त्र पसंद, समाजसेवी, मानवतावादी लोगों ने मजदूरों के प्रति राष्ट्रव्यापी एकजुटता का उदाहरण प्रस्तुत कर कार्यक्रम को सफल बनाया। बताते चले सात प्रमुख मांगो को लेकर उपवास किया,१– सभी मजदूरों के लिये विशेष कार्य योजना घोषित करे, २– असंगठित,प्रवासी मजदूरों, सभी देहाड़ी,ठेका,संविदा, मनरेगा,रिक्शा आदि सभी को दस हजार रु लक डाउन भत्ता का भुगतान करो,३– विभिन्न राज्यों में फसे सभी प्रवासी मजदूरों के लिये घर वापसी तक मुफ्त विशेष परिवहन व्यवस्था करें,४– लॉक डाउन के दौरान श्रमिकों के वेतन कटौती और छटनी पर रोक लगाओ,वेतन,नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करो,५– विभिन्न राज्यों में फसप्रवासी मजदूरों को अभी के स्थान पर भोजन, राशन, राहत और स्वच्छ आश्रय की व्यवस्था करो,६– प्रवासी मजदूरों पर पुलिस दमन पर रोक लगाओ, उनके खिलाफ लॉक डाउन में दर्ज मुकदमे वापस लो, ७– लॉक डाउन राहत समितियों का गठन कर शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के असंगठित खेतिहर मजदूरों के कल्याण कार्यक्रम सुनिश्चित कर समितियों में ट्रेड यूनियनों, मजदूरों और सामाजिक कार्य कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करो।इस दौरान सपा पूर्व उपाध्यक्ष क्रांति कुमार सिंह,पूर्व जिला अध्यक्ष अनुराग पटेल, पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष अमित वर्मा,यूथ ब्रिगेड जिलाध्यक्ष अभय प्रताप सिंह बंटी,शिक्षक सभा जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह यादव, महिला सभा जिला अध्यक्ष तृप्ति अवस्थी,अधिवक्ता सभा जिला अध्यक्ष सरदार हरजीत सिंह,छात्र सभा महासचिव प्रवीण यादव,छात्र सभा जिला महासचिव प्रवीन यादव,शाह नवाज खान,लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष रियाजुल्ला खान,बमजदूर सभा प्रदेश सचिव पारुल गुप्ता,वरिष्ठ नेता रमेश अग्रवाल,मोनिस अली अंसारी आदि लोग मजदूर सभा के आवाहन पर प्रवासी मजदूरों के समर्थन में १ दिन का उपवास अपने अपने घरो में किया।

उपजा प्रेस क्लब ने किया जरूरतमंदों को भोजन वितरण

बनवारी लाल कुशवाहा

फिरोजाबाद। कोरोना महामारी में उपजा प्रेस क्लब द्वारा गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण किया गया। सेवा कार्य आगे भी जारी रहेगा। उपजा प्रेस क्लब द्वारा रविवार को सेवा भाव की दृष्टि से इस कोरोना महामारी में परेशान हिमायूपुर क्षेत्र के गरीब, परिवार के लोगों को भोजन के पैकेट वितरण कर उन्हें मदद देने का काम किया गया। हिमायूपुर स्थित श्यामा देवी इंण्टर कालेज में जरूरतमंद लोगों को बुलाकर उन्हें भोजन के पैकेट वितरित किये गये। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखा गया। इस मौके पर उपजा प्रेस क्लब के प्रान्तीय अध्यक्ष द्विजेन्द्र मोहन शर्मा, संयोजक राकेश शर्मा, कोषाध्यक्ष सुनील बशिष्ठ, जिलाध्यक्ष उमाकान्त पचौरी व विधालय प्रबंधक मुकेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

गर्म पानी से बालक झुलसा

फिरोजाबाद। थाना बसई मौहम्मदपुर के छारबाग में एक बालक गर्म पानी से झुलस गया। परिजन उसे जिला अस्पताल लाये है। छारबाग निवासी पप्पू वर्मा का पुत्र अजीत (५) सोमवार को घर पर खेल रहा था तभी अचानक खेलते समय वह गर्म पानी से भरे भगोने पर गिर पड़ा। जिससे झुलस गया। चीख पुकार मचने पर परिजन उसे आनन फानन में उपचार के लिये जिला अस्पताल लेकर आये। जहां उसका उपचार जारी है।

लॉकडाउन के उल्लंघन पर दो गिरफ्तार

बनवारी लाल कुशवाहा

फिरोजाबाद। थाना लाइनपार पुलिस ने लाकडाउन के उल्लंघन पर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी लाइनपार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में लॉकडाउन का पालन कराने के लिये गस्त पर थे । तभी दो युवक बिना कारण सड़क पर घूम रहे थे। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गये युवकों के नाम लटूरी सिंह व धर्मपाल सिंह पुत्रगण कालीचरन निवासीगण नगला गिरधारी लाइनपार बताये है।

कृष्णा नगर क्षेत्र में स्थित कनौसी में पत्रकारों द्वारा राशन व खाद्य सामग्री वितरित कराई गई।

अखिलेश दुबे

लखनऊ। अद्भुत समाचार पत्र के संवाददाता अखिलेश दुबे व ब्यूरो चीफ राकेश पांडे द्वारा क्षेत्र में निरंतर गरीब परिवारों को राशन मुहैया कराने के लिए चलाए जा रहे अभियान मे पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के अध्यक्ष जे बी सिंह व महिला प्रकोष्ठ से माया सिंह, राहुल सैनी, सुदीप व अन्य पत्रकारों एवं समाजसेवियों की उपस्थिति में प्रतिदिन की भांति आज भी कनौसी, ओशो नगर मोहल्ले में झुग्गी झोपड़ियों में रह रहे गरीब मजदूरों एवं उनके परिवारों के लिए लंच पैकेट व खाद्य सामग्री वितरण कराई गई । वितरण कार्य में यही क्षेत्र के स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता त्रिभुवन शुक्ला ने आकर राशन सामग्री वितरण कराने में अपना सहयोग प्रदान किया और पत्रकारों एवं समाजसेवियों को सम्मानित कर आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि आज समाज में समाजसेवी और पत्रकारों द्वारा अपने प्रकाशन कार्य के साथ सरकार द्वारा चलाई जा रही इस मुहिम में गरीबों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए अपनी भूमिका निभा रहे हैं यह पत्रकारों द्वारा सराहनीय कार्य है इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है।

राजधानी में हॉट स्पॉट इलाके को तय करने के नियम में बदलाव की प्रक्रिया

राकेश पाण्डेय निश्छल

लखनऊ। राजधानी में हॉटस्पॉट इलाके को तय करने के नियम में बदलाव की प्रक्रिया चल रही है। इस नए नियम के तहत यदि दो या उससे अधिक कोरोना संक्रमित मरीज एक ही जगह पर मिलता है तो उसे हॉट स्पॉट इलाका घोषित किया जा सकता है। यह सब कोरोना को जल्द से जल्द हराने के लिए रणनीति हो रही है। अफसरों की माने तो इस नई गाइड लाइन के तहत हॉट स्पॉट इलाके तय करने भी शुरू कर दिए गए हैं। राजधानी में कोरोना के अति संवेदनशील १५ इलाकों को हॉट स्पॉट बनाया जा चुका है। इनमें कुछ इलाके वह हैं जहां दो मरीज मिल चुके हैं। स्वास्थ्य महकमें के अफसरों की माने तो पहले एक इलाके में छह मरीज मिलने पर हॉट स्पॉट में तय किया जाता था। अफसरों का कहना है कि नई गाइड लाइन के मुताबिक दो मरीज मिलने पर हॉट स्पॉट के साथ इलाके को सील करने का काम हो रहा है। जिससे अन्य लोग कोरोना संक्रमण की चपेट में न आएं। जिला सर्विलांस अधिकारी (डीएसओ) डॉ केपी त्रिपाठी ने बताया कि एक इलाके में यदि दो कोरोना संक्रमित मरीज मिलते हैं तो उसे हॉट स्पॉट में तय करने की संस्तुति की जा रही है। इससे संक्रमण पर रोक लगेगी।

उप्र में कोविड–१९ के दस गुना अधिक होंगे टेस्ट

आरती पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कोरोना वायरस महामारी की जांच के लिए टेस्टिंग की संख्या वर्तमान स्तर से लगभग दस गुना अधिक बढ़ाने का फैसला किया है। राज्य में कोविड–१९ संक्रमण की जांच के मद्देनजर अभी तक प्रतिदिन कुल ३,२०० टेस्ट किए जा रहे हैं। निर्देशक प्रोफेसर आर.के. धीमान ने कहा, "टेस्टिंग बढ़ाने की मुहिम के तहत संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसजीपीजीआईएमएस) भी अपनी परीक्षण की क्षमता को ढाई गुना बढ़ा रहा है।" उन्होंने आगे कहा, "कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम की रणनीति के एक महत्वपूर्ण घटक का हिस्सा टेस्टिंग है। उत्तर प्रदेश सरकार ने टेस्टिंग को आगे बढ़ाने और इसे वर्तमान से दस गुना तक ले जाने का निर्णय लिया है। "उन्होंने कहा कि संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भी जांच के लिए अधिक नमूने लाए जाएंगे। प्रोफेसर आर.के. धीमान ने कहा, "अभी के लिए संस्थान में प्रतिदिन ४०० नमूनों की जांच की जाती है, लेकिन जल्द ही यहां रोज एक हजार से अधिक टेस्टिंग होगी।" मेडिकल कलेजों और सरकारी अस्पतालों के लिए एसजीपीजीआई २४ घंटे सातों दिन टेलीमेडिसिन सुविधा भी चला रहा है। उन्होंने कहा, "हम बड़े भाई की भूमिका निभा रहे हैं। किसी भी प्रकार की दुविधा की स्थिति में हमारी टीम हेल्थ प्रोफेशनल्स के लिए २४ घंटे सातों दिन टेलीमेडिसिन हेल्पलाइन चला रही है। इसके अलावा हम डिजिटल प्लेटफर्म, जैसे व्हाट्सएप और जूम पर भी उपलब्ध हैं।" संस्थान सख्त सुरक्षा प्रोटोकल का पालन करते हुए हेल्थ प्रोफेशनल्स को कोविड–१९ से संक्रमित हुए रोगियों के उपचार के संबंध में प्रशिक्षण भी दे रहा है।

बिना मास्क निकले तो शर्ट का ही बनाना पड़ा मास्क

फिरोजाबाद। जनपद में मास्क न पहनने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस पूरी तरह से सख्त है। सोमवार को बिना मास्क पहने घरों से निकले लोगों को पुलिस ने उनकी शर्ट उतरवाकर मास्क लगवाया। यह अनोखी सजा चर्चा का विषय रही। शहर के कोटला रोड चौराहा व प्रमुख चौराहों पर बिना मास्क लगाये बाइक, साइकिल, ट्रैक्टर आदि पर अपने आवश्यक कार्य से निकले लोगों को सोमवार को जब पुलिस ने देखा तो रोक लिया। पहले तो मास्क न लगाने का कारण पूछा और फिर पुलिस ने अपने सामने ही उनकी शर्टो को उतरवाकर उनसे इसे मास्क बना पहन कर चलने को कहा। ताकि आगे फिर मास्क लगाना न भूलें और घरों से मास्क लगाकर ही निकलें। इस दौरान कुछ लोग गुहार लगाते हुये गिडगिडाते नजर आये। लेकिन पुलिस की सख्ती के आगे उन्हें अपनी शर्टें उतार मास्क बनाना ही पड़ा।

फ्री राशन प्रणाली में सेंध लगा रहे ग्रामीण क्षेत्रों के कुछ कोटेदार

कृष्ण कुमार शुक्ला

पलिया कलां खीरी। इंडो नेपाल सीमा स्थित थारू बाहुल्य क्षेत्रों में सरकार के द्वारा जारी की गई फ्री राशन प्रणाली को पलीता कुछ कोटेदार लगा रहे हैं। बताते चलें कि वैश्विक महामारी कोरोना से देशवासियों को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा घोषित किए गए लक डाउन से जूझ रहे गरीब व मजदूरों के भरण पोषण के लिए सरकार के द्वारा राशन कार्ड के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को पंद्रह अप्रैल से प्रत्येक तीन माह पांच किलो फ्री चावल देने का आदेश जारी किया गया है।मगर थारू क्षेत्रों में कोटेदारों की लचर व लालची व्यवस्था के चलते सरकार के द्वारा चलाई जा रही फ्री रासन प्रणाली में सेंध लगाने का कार्य किया जा रहा है।जहाँ एक ओर सम्पूर्ण भारत के कोटेदार सरकार का आदेश मानते हुए पंद्रह अप्रैल से फ्री रासन का वितरण कर रहे हैं।तो वही इंडो नेपाल सीमा स्थित थारू बाहुल्यक्षेत्रों के कुछ कोटेदारों के द्वारा पांच दिन बीत जाने के बाद भी रासन के नाम पर ग्रामीणों को एक दाना तक नहीं दिया गया है।वही जिन जिन ग्रामो में उन्नीस अप्रैल से रासन बांटने का कार्य सुरू किया गया है।वहाँ के ग्रामीणों ने कोटेदारों पर आरोप लगाया गया है कि कोटेदार प्रति यूनिट चार किलो चावल ही दे रहे हैं।

तस्करों के लिए बरदान साबित हो रहे बर्डर क्षेत्र से गन्ना ढो रहे वाहन

पलियाकलां खीरी। पलिया कलां से लगभग तीस किलोमीटर दूर चंदनचौकी के इंडो नेपाल सीमा क्षेत्रों से गन्ना ढो रहे ट्रक तस्करों के लिए वरदान सावित हो रहे हैं। सूत्रों से जानकारी के अनुसार चंदनचौकी से डिगनिया के बीच मोहाना नदी पार से भारी मात्रा में मेघा श्री पुकार नाम के नकली पान मसाला व थर्ड क्वालिटी की शराब व बीयर की तस्करी जोरो पर है।जिसे तस्कर गन्ना भरे ट्रक के माध्यम से पलिया तक पहुचाने का कार्य कर रहे हैं।जहां से दोपहिया वाहनों से अन्य जगहों पर भेज कर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं।जिसे पान मसाला व शराब के शौकीन इन सब बातों से अनजान पान मसाला एवं शराब नामक जहर को चोरी छिपे महंगे दामो पर खरीद कर सेवन कर रहे हैं। सरकार को चाहिये कि ऐसे लोगों को जल्द से जल्द चिन्हित कर कड़ी कार्यवाही करें।

श्री दुर्गा मंदिर सेवा समिति द्वारा वितरण किया जा रहा है भोजन व खाद्य सामग्री

अखिलेश दुबे

लखनऊ। आलमबाग क्षेत्र में श्री दुर्गा मंदिर धर्म जागरण सेवा समिति शास्त्री नगरकुंडली रकाबगंज द्वारा प्रतिदिन सेवा कार्य अपना योगदान कर रही है संस्था के अध्यक्ष ताराचंद अग्रवाल डॉक्टर आशु गोयल व गीता परिवार संस्था द्वारा भव्य सहयोग और क्षेत्र में प्रतिदिन महिंद्रा पिकअप दिल्ली से अमर सिंह व रामू कार्यकर्ता के द्वारा गरीब परिवारों के लिए सेवा कार्य में लगे यहां आलमबाग कृष्णानगर, एलडीए कानपुर रोड, कनौसी, बरगवां, जाफर खेड़ा, इंद्रपुरी रेलवे लाइन के किनारे में घूम घूम कर गरीब बस्तियों एवं जुग्गी, झोपड़पट्टी में रह रहे मजदूरों एवं उनके परिवारों में लगातार भोजन वितरण किया जा रहा है महिंद्रा पिकअप गाड़ी से राशन फल बिस्किट दाल चावल आटा चीनी नमक इत्यादि सामग्रियां भर भर कर प्रतिदिन गरीब बस्तियों में जा जाकर भूखे लोगों को भोजन कराने के कार्य में इस समिति द्वारा सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है कि जिस दिन से लक डाउन की घोषणा हुई है उसके दूसरे दिन से ही दुर्गा सेवा समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्र में निरंतर अभियान चलाया जा रहा है!

महापौर ने सफाईकर्मी नही स्वच्छता के दूत बताकर लखनऊ वासियों से स्वागत सम्मान करने की अपील की।

अखिलेश दुबे

लखनऊ। महापौर ने बताया कि हमारे शहर के फ्रंटलाइन वारियर्स यह स्वच्छता के दूत हैं इनके कारण ही हम सुरक्षित हैं क्योंकि यह हमें ऐसे संक्रमण काल में भी स्वच्छ्ता प्रदान कर रहे हैं वंदनीय है, पूजनीय है आज लखनऊ शहर ही नही समूचा विश्व कोरोना नामक महामारी से जूझ रहा है और इस कठिन परिस्थिति में अपनी परवाह न करते हुए शहर को कोरोना मुक्त बनाने में जो सबसे महती भूमिका निभा रहा है वह हमारे सफाई कर्मी ही तो हैं जो दिन रात पूरी मेहनत और ईमानदारी से शहर को स्वच्छ बनाने में एवं महामारी से मुक्त करने में लगे हुए हैं सही मायनों में आप स्वच्छता के दूत ही तो हैं उक्त बातें महापौर संयुक्ता भाटिया ने सफाई कर्मियों का सम्मान करते हुए कहीं और परिवार सहित महापौर ने स्वच्छता कर्मियों की आरती उतारी,उन पर पुष्पार्जन किया एवं अंगवस्त्र देकर उनको सम्मानित भी किया आज जब आलमबाग स्थित सिंगार नगर में उनके आवास के पास स्वच्छ्ता कर्मी साफ सफाई में जुटे थे तभी महापौर ने वहाँ मौजूद सभी स्वच्छ्ता कर्मियों को बुलाया और शंखनाद एवं तालियों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया उन्होंने परिवार सहित सभी सफाई कर्मियों की आरती उतारी,उनपर पुष्पार्जन किया ,उनको अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया एवं उनके बच्चों के लिए चॉकलेट और सैनिटाइजर भी दिए अपना ऐसा सम्मान देखकर स्वच्छ्ता कर्मी भी अचंभित रह गए। उनको यह विश्वास नही हो रहा था कि शहर की प्रथम महिला एवं उनकी मुखिया उनका इस तरह से सम्मान करेंगी इसमें कई स्वच्छ्ता कर्मी भावुक भी

हो गए इस वैश्विक महामारी में सफाई कर्मी रीढ़ की हड्डी की तरह महापौर भाटिया ने आगे कहा कि आज सारा देश इस महामारी से फ्रंटलाइन में लड़ रहे कोरोना वारियर्स का दिल से सम्मान कर रहा है हमारे प्रधानमंत्री ने भी सभी देशवासियों से उनको सम्मान देने के लिए पिछले दिनों आह्वान किया था जिसका पूरे देश ने तालियां, शंख, थालियां बजाकर समर्थन किया था प्रधानमंत्री की बातों को आत्मसात करते हुए महापौर ने सफाई कर्मियों का सम्मान किया एवं इस कठिन वक्त में योद्धा की तरह लड़ते हुए उन्होंने सफाई कर्मियो को रीढ़ की हड्डी बताया सभी पार्षदों से भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सफाई कर्मियों का सम्मान करने का आग्रह किया आज महापौर ने वीडियो कन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी पार्षदों से शहर की स्थिति को जानने के लिए वार्ता की थी जिसमे पार्षदों से विशेष आग्रह किया कि सभी पार्षद अपने क्षेत्र में सफाई कर्मियों का ऐसे ही सम्मान करें महापौर ने शहरवासियों से भी स्वच्छ्ता कर्मियों का सम्मान करने की अपील कि आप भी अपने घर के द्वार पर ही गली की सफाई करने वाले कर्मयोगी स्वच्छता वारियर पर पुष्पार्जन कर उनका स्वागत करें, उनका उत्साहवर्धन करें,उनको हमारी सुरक्षा के लिए ,हमारी गली को स्वच्छ रखने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करें इस कार्य के लिए महापौर ने सभी शहरवासियों से दिनाँक २१–०४–२०२० को प्रातः अपने मोहल्ले के सभी स्वच्छ्ता कर्मियों का सम्मान करने की अपील की उन्होंने आह्वान किया कि आपके द्वारा किया गया छोटा सा प्रयास इन फ्रंटलाइन कर्म योगियों को उत्साह से भर देगा।

'निराश्रित व जरूरतमंद व्यक्तियों को नगर निगम लखनऊ द्वारा ८५२७९ पैकेट भोजन तथा राशन वितरण किया गया।'

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा सम्पूर्ण शहर में सैनीटाइजेशन के अतिरिक्त लॉकडाउन अवधि में निराश्रितो को भोजन की समस्या को देखते हुए अधिकारियोंध कर्मचारियों के सहयोग से स्थापित ११ कम्युनिटी किचेन तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनो द्वारा आज कुल ८६७३६ लंच पैकेट सम्पूर्ण शहर में वितरित किए गये है। भोजन के पैकेट वितरण में समस्त नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा सहयोग किया गया। असरफ नगर, इथरुठिया में संपेरों की बस्ती में परिवारों को अनाज न मिल पाने की सूचना प्राप्त होने पर नगर निगम सीमा से १२ किलोमीटर दूर नगर आयुक्त महोदय द्वारा स्वयं जोनल अधिकारी जोन ८ की मौजूदगी में इन संपेरों को कोविड १९ सर्वाइवल किट उपलब्ध करायी गयी। इंडो अमेरिकन चौम्बर्स के चेयरमैन श्री मुकेश सिंह चौहान के सौजन्य से ५० पैकेट एवं नगर निगम से २० पैकेट राशन छत्तीशगढ़ के ७० दिहाड़ी मजदूरों को वितरित किया गया। कम्युनिटी किचेन हेतु एच.डी.एफ.सी. बैंक में अन्नदा नाम से खोले गये खाता संख्या ५०१००३३६३०७५०० (आई.एफ.एस. सी.–एच.डी.एफ.सी.०००००७८) में सहायता धनराशि प्राप्त की जा रही है। आज नगर निगम के कर निर्धारण अधिकारी श्री अरुण कुमार चौधरी द्वारा १ कुंतल आटा, १ बोरी चावल, १ बोरी छोला, १ बोरी आलू कम्युनिटी किचन महानगर कल्याण मण्डप में उपलब्ध कराया गया। मेसर्स मदर स्वच्छकार इंटरप्राइजेज एवं श्री अंकित कुमार द्वारा रु. २५,००० – रु. २५,००० की सहयोग राशि अन्नदा खाते में जमा करायी गयी। अपील की गयी कि अन्नदा खाते में अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करें।

१७९ संक्रमित के साथ दो महिलाओं में कोरोना पॉजिटिव

लखनऊ संवाददाता। कोरोना वायरस लगातार राजधानी लखनऊ में पांव पसार रहा है एक के बाद एक नए इलाकों में पॉजिटिव मामले सामने आ रहे हैं सोमवार को दो और महिलाओं में कोरोना की पुष्टि के बाद अब संक्रमित मरीजों की संख्या १७९ पहुंच गई है केजीएमयू की लैब में हुई जांच में ५२ वर्षीय व २४ वर्षीय महिला में वायरस की पुष्टि हुई है दोनों मरीज लखनऊ के तोपखाना निवासी हैं बताया जा रहा है कि एक संक्रमित युवक के घर के सदस्य हैं बता दें रविवार को डेढ़ सौ से अधिक भेजे गए नमूनों में एक मरीज में वायरस की पुष्टि हुई यह सदर के एक ही परिवार का ११वां सदस्य है स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार को १६७ मरीजों का सैंपल कलेक्शन किया इसके अलावा लोहिया संस्थान में भर्ती एक मंदबुद्धि मरीज की जांच लैब में हुई इसमें देर रात कोरोना की पुष्टि हुई रविवार को जारी रिपोर्ट में एक २० वर्षीय युवक में कोरोना की पुष्टि हुई है सीएमओ कार्यालय के प्रवक्ता योगेश कुमार रघुवंशी के मुताबिक यह संक्रमित परिवार का सदस्य है इलाज के लिए पीजीआई के कोविड अस्पताल भेजा गया है

पितृशोक के बावजूद कर्मभूमि के प्रति अपने दायित्व को प्राथमिकता दी मुख्यमंत्री योगी नें

अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखनऊ। पितृशोक के बावजूद कर्मभूमि के प्रति अपने दायित्व को प्राथमिकता देते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पिता के अंतिम संस्कार में भाग नहीं लेने का कठिन फैसला लिया है। योगी के पिता आनंद सिंह बिष्ट का सोमवार को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान (एम्स) में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। वह ८६ वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार उत्तराखंड में पौड़ी गढ़वाल जिले में यमकेश्वर तहसील स्थित पैतृक गांव पंचुर में किया जायेगा।मुख्यमंत्री को अपने पिता के निधन का दुखद समाचार उस समय मिला जब वह कोरोना संक्रमण के कारण लागू लाकडाउन की समीक्षा कर रहे थे। टीम ११ की महत्वपूर्ण बैठक के बीच में उन्हे पिता के परलोक सिध ारने की सूचना दी गयी। कुछ पल शांत भाव से बैठे रहने के बाद उन्होने अधिकारियों से लाकडाउन की आगे की रणनीति के बारे में चर्चा शुरू कर दी। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने बैठक समाप्त होने के बाद ट्विटर के जरिये आम जनमानस को यह दुखद सूचना दी। योगी ने एक पत्र के जरिये पिता की मृत्यु पर शोक जताते हुये लिखा " अपने पूज्य पिताजी के कैलाशवासी होने पर मुझे भारी दुख एवं शोक है। वे मेरे पूर्वाश्रम के जन्मदाता है। जीवन में ईमानदारी, कठोर परिश्रम एवं निस्वार्थ भाव से लोकमंगल के लिये समर्पित भाव के साथ कार्य करने का संस्कार

बचपन में उन्होने मुझे दिया। अंतिम क्षणों में उनके दर्शन की हार्दिक इच्छा थी परन्तु वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के खिलाफ देश की लडाई को उत्तर प्रदेश की २३ करोड़ जनता के हित में आगे बढ़ाने के कर्तव्यबोध के कारण मैं न कर सका।" मुख्यमंत्री ने लिखा " कल २१ अप्रैल को अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में लाकडाउन की सफलता तथा महामारी कोरोना को परास्त करने की रणनीति के कारण भाग नहीं ले पा रहा हूं। पूजनीया मां,पूर्वाश्रम से जुड़े सभी सदस्यों से भी अपील है कि वे लाकडाउन का पालन करते हुये कम से कम लोग अंतिम संस्कार कार्यक्रम में रहे। पूज्य पिताजी की स्मृतियों को कोटि–कोटि नमन करते हुये उन्हे विनम्र श्रद्धाजंलि अर्पित कर रहा हूं। लाकडाउन के बाद दर्शनार्थ आऊंगा।" गौरतलब है कि योगी के पिता आनन्द सिंह बिष्ट वन विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी थे। वह मां सावित्री देवी की पांचवी संतान है। उनसे बड़ी तीन बहने और एक भाई है जबकि उनसे छोटे दो भाई हैं। बिष्ट के निधन पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू समेत कई राजनीतिक हस्तियों ने शोक संवेदना जताते हुये परिजनों को ढाढस बंधाया है।

एन.डी.आर.एफ. लखनऊ टीम द्वारा लखनऊ कारागार के कैदियों को कोरोना वायरस से सावधानियाँ एवं बचाव के बारे में जागरूकता अभियान

लखनऊ। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल न.डी.आर.एफ. लखनऊ टीम द्वारा लखनऊ कारागार के कैदियों

को कोरोना वायरस से सावधानियाँ एवं बचाव के बारे में जागरूकता अभियान राजधानी में रविवार को को हर समय आपदा में तत्पर रहने वाली ११ वीं वाहिनी एन.डी. आर.एफ. की लखनऊ स्थित टीम ने जिला कारागार लखनऊ के कैदियों को सोसल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए कोरोना वायरस से सावधानियाँ एवं बचाव के बारे में बताया। श्री आलोक कुमार सिंह उप–महानिरीक्षक के दिशा–निर्देश पर ११वीं वाहिनी एन.डी. आर.एफ की एक पूर्ण रूप से प्रशिक्षित टीम उप–सेनानायक श्री नीरज कुमार के नेतृत्व में जिला कारागार लखनऊ जाकर सोसल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए जिला कारागार लखनऊ लगभग ३००० कैदियों को कोरोना वायरस से सावधानियाँ एवं बचाव के बारे में पूर्ण जानकारी दी गई और साथ ही तनाव मुक्त एवं उच्च मनोबल से भी अवगत कराया गया इस प्रशिक्षण के दौरान जिला कारागार के अधीक्षक श्री प्रेम नाथ पांडे, जेलर श्री कमल कुमार गुप्ता एवं डिप्टी जेलर श्री रवीन्द्र कुमार मौजूद रहे। एन.डी.आर.एफ प्रशिक्षित दल में निरीक्षक धनंजय सिंह, स.उ.नि.ध्वेतार गजेन्द्र सिंह ,मुख्य आरक्षी प्रशान्त चतुर्वेदी, मुख्य आरक्षी जुगिन्द्र सिंह, आरक्षी रोहित सिंह ,आरक्षी लोकेश चौहान ,आरक्षी फिरोज अहमद खान शामिल रहें।

प्रधानमंत्री नें मुख्यमंत्री योगी के स्वर्गीय पिता को श्रद्धांजलि अर्पण कर गहरा शोक व्यक्त किया।

अखिलेश दुबे लखनऊ। प्रधानमंत्री ने योगी आदित्यनाथ के पिता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि स्वर्गीय आनंद सिंह बिष्ट जी के जीवन की सार्थकता का अनुभव हमें आप जैसे विलक्षण तत्वज्ञानी के सानिध्य से होता है आप जैसे यशस्वी और कर्मठ पुत्र के पिता के रूप में वह एक गौरव पुरुष थे आपके पूर्वआश्रम में हुई इस क्षति के बारे में जानकर गहरी पीड़ा हुई पीएम मोदी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की चिर शांति प्रदान करने की कामना की और इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं मुख्यमंत्री के लौकिक और वृहत धर्म परिवार के साथ हैं।

शत्रुघ्न सिन्हा ने की अक्षय की सराहना

मुंबई। बॉलीवुड के शॉटगन शत्रुघ्न सिन्हा ने खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार के कोरोना की जंग में किये जा रहे काम की सराहना की है। कोरोना की जंग में अक्षय ने पीएम केयर फंड में २५ करोड़ का दान दिया है। हांलाकि, शत्रुघ्न सिन्हा ने उन स्टार्स की आलोचना की थी जिन्होंने अपनी दान राशि का खुलासा किया था। शत्रुघ्न ने दान पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि दान की घोषणा करना 'अशिष्ट' है। यह सुनना अपमानजनक और मनोबल गिराने वाला लगता है कि किसी ने २५ करोड़ रुपए का योगदान दिया है। शत्रुघ्न के इस बयान पर उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया। इसके बाद फैन्स को लगा कि वह अक्षय पर टिप्पणी कर रहे हैं, जिन्होंने पीएम–केयर फंड में राहत के लिए २५ करोड़ रुपये का योगदान किया है। अब शत्रुघ्न सिन्हा ने उस बयान पर सफाई दी है और

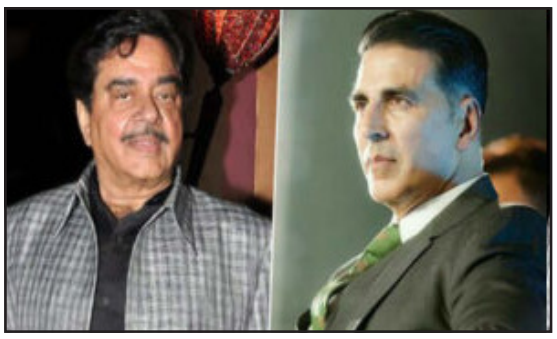

कहा है कि वह अक्षय के लिए यह बात नहीं कर सकते हैं। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि जब वह ये बयान दे रहे थे, तब उनके दिमाग में अक्षय कुमार का नाम नहीं था। उन्होंने कहा कि लोगों ने खुद ही यह सब तय कर लिया, क्योंकि अक्षय ने २५ करोड़ दिए थे। शत्रुघ्न ने कहा कि वह अक्षय को कभी भी किसी तरह का ताना नहीं मार सकते, क्योंकि वह उनकी बेटी सोनाक्षी के लीड एक्टर ही नहीं बल्कि वह काफी अच्छे फैमिली फ्रेंड भी हैं। मैं उनके लिए यह बात नहीं कर सकता हूं। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि वह अक्षय के खुद बहुत बड़े प्रशंसक हैं, क्योंकि वह जरूरतमंद और गरीबों के लिए लगातार अपना योगदान देते रहे हैं। उन्होंने कहा कहा, "जब भी कहीं जरूरत पड़ी है, वह हमेशा मदद के लिए आगे खड़े रहे हैं। अक्षय जरूरतमंदों के लिए जिस तरह वह दिल खोलकर दान करते हैं, वह हम सबके लिए एक उदाहरण है।

लॉकडाउन में खेती करने में जुटे हैं धर्मेंद्र

मुंबई। बॉलीवुड के हीमैन धर्मेन्द्र लकडाउन में खेती करने में जुटे

हुये हैं। धर्मेंद्र सोशल मीडिया पर अक्सर वीडियो शेयर करते हैं जिसमें वह कभी सब्जियां उगाते नजर आते हैं तो कभी खुद खेत जोतते नजर आते हैं। धर्मेंद्र ने इस बार एक और वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह ट्रैक्टर पर हैं और बता रहे हैं कि छोटे खेत तो वह खुद ही जोत लेते हैं। वीडियो में धर्मेंद्र ने कहा कि इससे एक्सरसाइज भी हो जाती है। वीडियो के साथ जो कैप्शन धर्मेंद्र ने दिया है, उसमें भी उन्होंने लिखा है कि कोरोना के समय में लोगों को प्रेरित करने के लिए भी वह इसे शेयर कर रहे हैं। वीडियो में धर्मेंद्र कहते हैं, "दोस्तों कैसे हैं आप। इतना छोटा खेत तो जैसे तैसे मैं जोत ही लेता हूं। इसमें थोड़ी एक्सरसाइज भी हो जाती है। "वीडियो के साथ धर्मेंद्र लिखते हैं, कोरोना वायरस से लड़ाई के लिए आपको मानसिक रूप से मजबूत कर रहा हूं। जुनून हैं जाबांज हैं हम.आफत–ए–कोरोना तेरे कातिलइंसानियत के आलमबदार हैं हम।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक